

प्रति,

श्री. लाल,
सचिव, न्याय एवं वि. 1 शाखा,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संयुक्त सेवा अधिनियम,
उत्तरांचल, देहरादून।

न्याय विभाग

देहरादून दिनांक: 05 जुलाई, 2003

विषय: संयुक्त सेवा अधिनियम लागू करने, देहरादून में उपनिदेशक का पद भरण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक शा.सं. 43 सं. 201/सं.सं. 03/आ.सं. 2003, दिनांक 9 जून, 2003 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश प्राप्त है कि लोक सेवा अधिनियम, उत्तरांचल, देहरादून में कार्य के सुचारु रूप से निर्वहन के लिए आवश्यक सं. 326/न्याय विभाग/2001, दिनांक 4.7.2001 एवं शासननिर्देश सं. 17-एक/न्याय विभाग/2002, दिनांक 5 फरवरी, 2002 के अनुसार भी उपनिदेशक का एक अध्याई पद सं. 1000 200-10500 में इस शासननिर्देश के निर्दिष्ट होने की तिथि अथवा पद भरे जाने की तिथि, 11.01.2003 में ही, से दिनांक 31-12-2003 तक के लिए, यथा कि यह पद इसके पूर्व समाप्त न हो जाये, सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रयत्न करने के लिए सूचित किया जा रहा है।

2- उक्त पदधारक को यह पद के निर्वहन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर अनुमति दिये गये वेतनाई व अन्य फायदे भी दिए जायेंगे।

3- इस पद पर सीपी 300 का मान में लागू अलग नियमानुसार किए जायेंगे।

4- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2003-2004 के आय-व्ययक के अधीन अनुमान संख्या- 04 में अनुमान संख्या 2014 न्याय विभाग-आय-व्यय-800-अन्य आय-01-लोक सेवा अधिनियम के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई के अपने द्वारा आयेगा।

5- यह आदेश विल. विभाग के अध्यापक सं. 1581/विल. अनुभाग 3/2003, दिनांक 05 जुलाई, 2003 में प्राप्त कर्तव्य संपन्न न जाये देने जा रहे हैं।

भवदीय,

(श्री. लाल)
सचिव।

सं.सं. 1-एक/न्याय वि. 1/2003, दिनांक 11/07/2003

प्रतिनिधि निम्नलिखित का पदभारों को आवश्यक कार्यवाही हेतु विनियमित है:

- 1- महाप्रबन्धक, उत्तरांचल, उत्तरांचल निदेश, मादम, देहरादून।
- 2- महाप्रबन्धक, देहरादून।
- 3- निदेशक/निदेशक अनुभाग।
- 4- विल. अनुभाग 3।
- 5- शा.सं. 43 सं. 201/सं.सं. 03/आ.सं. 2003

आज्ञा में,
(श्री. लाल)
अध्यक्ष सचिव।